

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र

एवं

कालिकट विश्वविद्यालय, मलप्पुरम, केरल

के संयुक्त तत्वाव<mark>धान में आयोजित</mark> त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक: 07-09 फरवरी, 2019

प्रतिवेदन/रिपोर्ट

संगोष्ठी

कार्यक्रम विवरण	कार्यक्रम का	<mark>कार्यक्रम</mark>	अवधि	आयोजक
	स्वरूप	स्थल		
21वीं सदी में हिन्दी साहित्य :		Печини	07-09	हिंदी <mark>शिक्षण अधिगम केंद्र, म</mark> .गां.अं.हिं.वि., वर्धा
प्रवृत्तियाँ एवं संभावनाएं	राष्ट्रीय संगोष्ठी	मलप्पुरम, केरल	फरवरी,	तथा
			2019	कालिकट विश्वविद्यालय, मलप्पुरम, केरल

'इक्कीसवीं सदी में हिन्दी साहित्य : प्रवृत्तियाँ एवं संभावनाएं' विषय पर कालिकट विश्वविद्यालय, मलप्पुरम, केरल में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी (दिनांक 07-09 फरवरी, 2019)

महात्मा गांधी अं<mark>तराष्ट्रीय</mark> हिं<mark>दी विश्विविद्यालय</mark>, <mark>वर्धा के हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र और कालीक</mark>ट विश्वविद्यालय, केरल के हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 'इक्कीसवीं सदी में हिंदी साहित्य : प्रवृत्तियां और संभावनाएं' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी



संगोष्ठी का **दीप प्रज्ज्लन कर उदघाटन करते हुए महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्विविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जी.** गोपीनाथन तथा अन्य पदाधिकारी एवं अतिथिगण

कालीकट विश्वविद्यालय में 7 से 9 फरवरी, 2019 को सम्पन्न हुई। संगोष्ठी का उद्घाटन कालीकट विश्वविद्यालय के कुलपित, प्रोफेसर मुहम्मद के. बशीर ने किया। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित विद्वानों को संबोधित करते हुए राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए हिंदी के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि कालीकट विश्वविद्यालय में होने वाली इस संगोष्ठी से



उदघाटन वक्तव्य देते <mark>हुए महात्मा <mark>गांधी</mark> अंतरराष्<mark>ट्रीय विश्विविद्यालय के पूर्व कुलपति, प्रोफेसर जी. गोपीनाथन मंच पर उपस्थित प्रो. कृष्ण कुमार सिंह, नि<mark>देशक, हिन्दी शिक्षण</mark> अधिग<mark>म केंद्र तथा अन्य अति</mark>थिगण</mark></mark>

हिंदी साहित्य की प्रगति जाँचने का मौका प्राप्त हुआ है। संगोष्ठी के बीज वक्तव्य के लिए महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्विवद्यालय के पूर्व कुलपित, प्रोफेसर जी. गोपीनाथन उपस्थित थे। उन्होंने विस्तार से विषय की चर्चा करते हुए वर्तमान सदी के हिंदी साहित्य में विभिन्न विमर्शों जैसे स्त्री विमर्श, दिलत विमर्श, पर्यावरण विमर्श आदि को स्पष्ट करते हुए हिंदी के अनुदित साहित्य पर भी प्रकाश डाला और संतोष व्यक्त किया कि हिंदी साहित्य की दिशा ठीक है और वह अपनी परंपरा का सम्यक विकास कर रहा है।

संगोष्ठी के उद्घाट<mark>न के अवसर पर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के मान</mark>नीय कुलपित, प्रो.गिरीश्वर मिश्र जी ने संदेश भेजा था जिसे प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने पढ़ा। कुलपित जी ने अपने संदेश में संगोष्ठी की सफ़लता के लिए शुभकामनाएं देते हुए यह इच्छा व्यक्त की कि इसके माध्यम से हिंदी साहित्य की वर्तमान सदी की दशा और दिशा के संबंध में



संगोष्ठी के दौरान मंचस्थ प्रो. <mark>कृष्ण कुमार सिंह</mark>, निदेशक, हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, प्रो. अवधेश कुमार, प्रो. अखिलेश दुबे तथा प्रोफेसर सुधा बालकृष्णन

सम्यक विचार विमर्श होगा और इससे प्राप्त निष्कर्ष मूल्यवान सिद्ध होंगे। सत्र में साहित्य विद्यापीठ की डीन प्रो. प्रीति सागर, कार्यकारी कुलसचिव, प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने शुभकामनाएं दी। स्वागत भाषण प्रोफेसर आर. सेतुनाथ ने किया। धन्यवाद संगोष्ठी

के संयोजक, प्रोफेसर अखिलेश कुमार दुबे ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कालीकट विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष, प्रोफेसर वी.के. सुब्रह्मण्यम ने की। संगोष्ठी में किवता, कहानी, नाटक, उपन्यास,विमर्श केन्द्रित साहित्य और आलोचना, निबंध एवं अन्य विधाओं पर केन्द्रित छह अकादिमक सत्र सम्पन्न हुए जिसमें दक्षिण भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों,



संगोष्ठी के दौरान मंचस्थ अतिथिगण उपस्थित शिक्षक, प्रतिभागी, शोधार्थी तथा विद्यार्थीगण

महाविद्यालयों के विद्वान प्राध्यापक, विद्यार्धी, शोद्यार्थी और पूर्वोत्तर प्रदेशों, महाराष्ट्र और देश के अन्य क्षेत्रों से भी हिंदी स्नेही जन सिम्मिलित थे इनमें प्रमुख रूप से प्रोफेसर तंकमणि अम्मा, प्रोफेसर सुधा बालकृष्णन, प्रो. रवीन्द्र नाथ (गोवा), प्रो. अवधेश कुमार (महाराष्ट्र), डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी, प्रो. करूणा शंकर उपाध्याय, मुम्बई, प्रो. रामप्रकाश तिरूपति, प्रो.जयशंकर, प्रो. ए. अच्युतन, प्रो. के. अजिता, प्रोफेसर सुनीता मंजन बेल, प्रोफेसर प्रतिभा मुदलियार, डॉ. रूपेश कुमार सिंह, श्री सुधीर ठाकुर आदि मौजूद थे। कार्यक्रम के स्थानीय समन्वयक, प्रोफेसर प्रमोद कोवप्रत थे। कालीकट विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यापक हरमन, फातिमा मार्गरेट, सहला, अन्य विद्यार्थयों का विशेष सहयोग मिला।



<mark>संगोष्ठी के समापन अवसर पर उद्बोधन</mark> देते हुए मुख्य अतिथि प्रो. गोपीनाथन एवं मंचस्थ अतिथिगण

संगोष्ठी का समापन 9 फरवरी, 2019 को हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि प्रोफेसर जी. गोपीनाथन, और अध्यक्ष प्रो. सेतुनाथ थे। इस अवसर पर प्रो. कृष्ण कुमार सिंह, प्रो. प्रीति सागर उपस्थित थे। स्वागत वक्तव्य प्रो. अखिलेश दुबे ने दिया तथा आगत अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापन प्रो. प्रमोद कोवप्रत ने किया। संचालन सुश्री रेवती ने किया। संगोष्ठी में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के एम.ए. अंतिम वर्ष के विद्यार्थी भी उपस्थित थे।